Indian Institute of Science Education and Research Mohali
भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली
Knowledge City, Sector 81, Mohali (Punjab), INDIA - 140 306
नॉलेज सिटी, सेक्टर 81, मोहाली (पंजाब), भारत - 140 306

IISER Mohali Welcomes Students for the Summer Research Program 2024
Press Release (May 27, 2024)

Mohali, May 27, 2024 — The Indian Institute of Science Education and Research (IISER) Mohali is pleased to announce the commencement of its Summer Research Program 2024. Selected students from across all corners of the country have arrived on campus. They participated in an orientation program marking the beginning of their summer research journey. In addition to the 78 students who have joined IISER Mohali's summer program, about 20 students from the Science Academies' Summer Program are also being hosted. A welcome and orientation session for these students took place on Monday, May 27.

The Summer Research Program is designed to provide undergraduate and postgraduate students with a valuable opportunity to engage in cutting-edge research projects under the guidance of esteemed faculty members. This initiative aims to inspire young minds to pursue careers in science and to enhance their understanding of research methodologies within a stimulating academic environment.

Welcoming the students, Professor Anil Kumar Tripathi, the Director of the Institute, expressed his enthusiasm for the program. He emphasized that the scientific leadership of the future will emerge from such initiatives. He encouraged the students to consider returning to India after gaining exposure to the best research groups worldwide. Professor Tripathi highlighted the importance of integrating knowledge across scientific disciplines, stating that scientific progress should be problem-solving oriented and not confined within disciplines. He urged students to look beyond their specific research areas and gather ideas from various resources and experts, emphasizing that scientific breakthroughs occur when challenges are embraced, specifically by the youth.

Professor Amit Kulshrestha, Dean of International Relations and Outreach, and Dr. Aribam Chandrakant, Associate Dean of Students, also addressed and welcomed the students.

Dr. Mahak Sharma, a renowned cell biologist known for her work in membrane trafficking, is the coordinator of the program. She wished the visiting students success in their summer projects and assured them the Institute is committed to providing them with an enriching experience. Dr. Sharma expressed hope that the program would offer students a deeper understanding of scientific research and its applications.

आइसर मोहाली में ग्रीष्मकालीन शोध विद्यार्थियों का स्वागत

प्रेस विज्ञप्ति (27 मई, 2024)

भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आई.आई.एस.ई.आर.) मोहाली में ग्रीष्मकालीन अनुसंधान कार्यक्रम 2024 का शुभारंभ हो गया है। देश के कोने-कोने से चयनित विद्यार्थी संस्थान परिसर पहुँच चुके हैं। सोमवार 27 मई को इन विद्यार्थियों के स्वागत और उन्हें संस्थान व इसके क्रियाकलापों से अवगत कराने के लिए एक सत्र का आयोजन किया गया।

इस ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से आए 78 विद्यार्थियों के अलावा विज्ञान अकादमियों के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लगभग 20 छात्र भी सम्मिलित हो रहे हैं।

इस ग्रीष्मकालीन अनुसंधान कार्यक्रम के माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को संस्थान के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल होने का एक अमूल्य अवसर प्राप्त होता है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को विज्ञान में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और एक सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान के संदर्भ में उनकी समझ को बढ़ाना है।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अनिल कुमार त्रिपाठी ने छात्रों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ऐसे प्रयासों से ही भविष्य का वैज्ञानिक नेतृत्व उभरकर आगे आएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्व भर की श्रेष्ठतम अनुसंधान प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण के बाद भारत लौटने के लिए भी प्रोत्साहित किया। प्रोफेसर त्रिपाठी ने वैज्ञानिक विषयों में ज्ञान को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि वैज्ञानिक प्रगति समाधान उन्मुख होनी चाहिए और विषयों तक ही संकुचित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने विशिष्ट अनुसंधान क्षेत्रों से परे देखने और विभिन्न संसाधनों और विशेषज्ञों से विचार ग्रहित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जब विशेषकर युवा चुनौतियों का सामना करते हैं, तभी अभूतपूर्व वैज्ञानिक सफलताएं होती है।

इस अवसर पर डीन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं आउटरीच प्रोफेसर अमित कुलश्रेष्ठ और छात्र मामलों के एसोसिएट डीन डॉ. अरिबम चंद्रकांत ने भी छात्रों को संबोधित किया और उनका स्वागत किया।

इस कार्यक्रम की समन्वयक, सेल ट्रैफ़िकिंग पर काम करने के लिए जानी-मानी कोशिका जीवविज्ञानी डॉ. महक शर्मा हैं। उन्होंने आगन्तुक छात्रों हेतु ग्रीष्मकालीन शोध में सफलता की कामना की और उन्हें आश्वासन दिया कि संस्थान उन्हें समृद्ध और चहुँमुखी वैज्ञानिक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. शर्मा ने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम छात्रों को वैज्ञानिक अनुसंधान और उसके अनुप्रयोगों की गहरी समझ प्रदान करेगा।